tHE tAKE oFF

A Karunya Trust Children Parliament Federation Publication

Vol.: 2 - Issue: 2 Nov 2018 | PRIVATE CIRCULATION ONLY | WE RISE BY LIFTING OTHERS...

Supported by Karunya Trust and Deutsche Bank

Message from Gyansaathi Assistant Coordinator

हमारे बाल संसद का नाम एकता बाल संसद है । एकता बाल संसद की शुरुवात २०१५ में हुई । हर साल बाल संसद में नये नये बदलाव आते गये । बच्चो ने इसमें बहुत कुछ सिखा । मुझे इस बात से ज्यादा खुशी है की बच्चो ने बाल संसद से टीम बिल्डिंग, क्रिएटिविटी वर्क और उनके अधिकार के बारे में जानकर एक साथ मिलकर अच्छे से काम किया । बच्चों की सोच में बदलाव आया । बाल संसद में आने के बाद बच्चो के अपनी जिमेदारी समझ मे आयी । जिससे वो सबकी मदत करते है । जिसे उनकी प्रेरणा बढती है और उन्मे आत्मविश्वास आता है ।

मै आशा करती हूँ कि बच्चे ऐसे ही आगे बढ़े अपने सफलता और अपने लक्ष्य को निश्चित करे । बच्चो को मै उनके उज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाए देती हूँ ।

मृणाली

Message from Savli CP In-charge

मेरा नाम शत्रुघ्न घागरे है मै कारुण्य ट्रस्ट सावली प्रकल्प मे तीन साल से काम कर रहा हू। जब मुझे सावली बाल संसद का इंचार्ज बनाया गया तब मुझें थोडासा डर लगा की मै बाल संसद कैसे हैंडल कर पाउँगा लेकिन हमारें सावली के समन्वयक क्लिंटो ने मुझे समजाया जिससे मेरा बाल संसद के साथ काम करने का हौसला बढ़ गया की मै ये काम दिल से कर पाउँगा। बाल संसद मे अबतक जो समाजकल्याण का काम हुआ है जिससे बाल संसद के बच्चों का दिल से काम करने के लिए हौसला बड़ा है। मै आशा करता हू की ऐसे ही काम आगे होते रहेंगे जिसके कारण हम ज्यादा से ज्यादा समाज में बदलाव लाने का प्रयास करेंगे।

बाल संसद का मुल उद्देश ये है की बच्चो को समाज मै बदलाव लाने के लिये सक्षम बनाना, उनका मन परिवर्तित करना, अच्छे सोच विचार के साथ आगे बढ़ना और समाज कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहना।

मै धन्यवाद देना चाहता हू कारुण्य ट्रस्ट सावली प्रकल्प को की मेरे ऊपर भरोसा दिखाया और मुझे बाल संसद के साथ काम करने का सुनहरा मौका दिया।

शत्रुघ्न घागरे

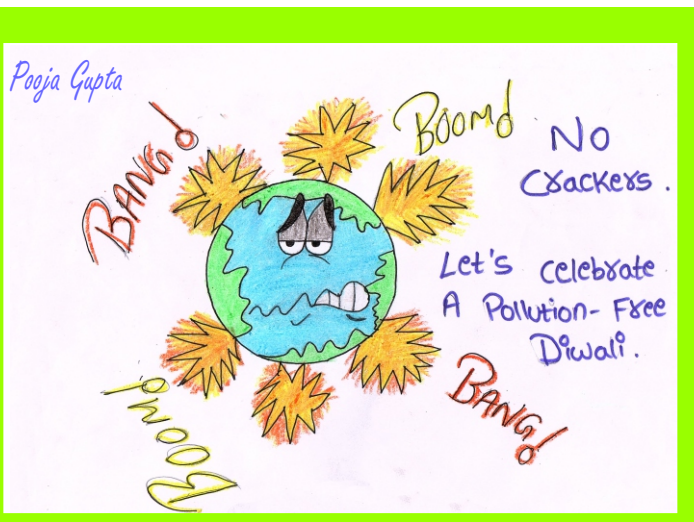

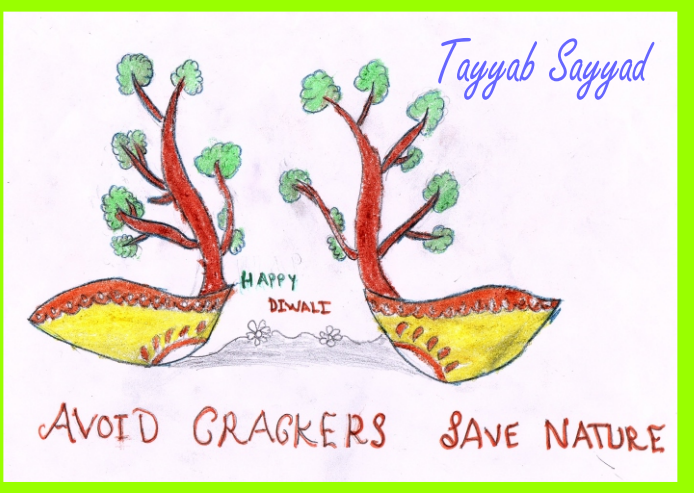

दिवाली का जश्न तो पूरा हो जाता है,लेकिन उसके बाद पर्यावरण की मुश्किलें बढ़ जाती है। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली पर जमकर आतिशबाजी होगी जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पडता है। दिवाली की रात करोड़ो के पटाखे फोड़े जाते है जिसके बाद ध्वनि प्रदुषण कई गुना बढ़ जाता है। खासकर दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में हवा ओर ज्यादा जहिरिली हो जाती है। पटाखों का शोर और जहरीला धुवाँ सांस के बीमारियों के लिए ज्यादा खतरनाक है। दिवाली के दिन हवा में हानिकारक कार्बन की मात्रा कई गुना ज्यादा बढ़ जाती है। पर्यावरण अनुमान के मुताबिक सामान्य दिनों के मुकाबले दिवाली के दिन पांच गुना ज्यादा प्रदुषण बढ़ जाता है। इस लिए हमे पटाखे फोड़ने नहीं चाहिए।

हाजरा शैख (सावली छात्र)

EDITORIAL BOARD

Savli CP Federation

Editorial Members:
Ratan Gupta,
Ganesh Sakha.
Aditya salunkhe,
Shweta patil,
Abhisekh dawale,
Mayur Jawle
Hazara Shaikh
Bhumika Fansekar

Gyansaathi CP Federation

Editorial Members:
Nasreen Haldar
Saba Alvi
Rabiya Shaikh
Pinky Vishwakarma
Ambiya Shaikh
Nussrat Shaikh
Ishrat Shaikh
Reshma Shaikh
Zainabi Shaikh

Layout & Design

Roy Thomas

प्रो - इको

मेरा नाम रतन है और कारुण्य ट्रस्ट सावली प्रकल्प मे ३ साल से बाल संसद मे काम कर रहा हु। १५ अगस्त के दिन हमारा प्रो- इको था। यह प्रो- इको हमने एल.बी.एस मार्ग पर भांडुप पुलिस स्टेशन से हुमा सिनेमा तक रखा था। हमने एक एक ग्रुप बनाया था कुल मिला कर हमने पाच ग्रुप बनाये थे। मैंने यह प्रो- इको से बहुत कुछ सिखा। हमारा यह चौथा प्रो- इको था। हमने इस मे वाहन का उपयोग कैसे करना चाहिए ताकि पर्यावरण साफ रहे उसके बारेमे लोगोको जागृत किया। जैसे की होर्न जब जरुरत हो तभी बजाना चाहिए इस से ध्वनि प्रदूषण कम होगा। ट्रैफिक सिग्नल पर वाहन बंद रखना चाहिए, इस से इंधन की बचत होगी। वाहन के बाहर कई भी कचरा फेकना नहीं चाहिए इस से हमारा पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। इस सभी के बारे मैं हमने लोगो को पोस्टर दिखा कर पर्यावरण जनजागृति की। मुझे सावली प्रोजेक्ट मे तीन साल हुए है इन तीन साल मे मुझ बहोत कुछ सिखने मिला। मैं सावली प्रकल्प को धन्यवाद करता हु की मुझें बाल संसद मे काम करने का मौका दिया।

रतन गुप्ता (सावली छात्र)

"I feel really good and I enjoyed full session. I learned useful things related to (Right to Information Act) RTI which I will use in my future."- Roshni Maurya (Karunya Child)

tHE tAKE oFF

Vol.: 2 - Issue: 2

Nov 2018

बाल विवाह

बाल विवाह किसे कहते है ? जो माता पिता गरीब होते है इसलिए वह बचपन में बच्चो की शादी कर देते है वह सोचते है की हमारी बेटी की शादी अभी या बाद में करनी है तो इसलिए अभी ही कर देते है ।

बाल विवाह करने से उस लड़की का बचपन बेकार हो जाता है उसकी खेलने कूदने की उम्र होती है पर वह खेल नहीं पाती और उसका स्कूल बंद करा देते है इस कारण उस लड़की का भविष्य बेकार हो जाता है उस लड़की का कुछ सपना होता है पर वह पुरा नहीं हो पाता ।

पुराने रीतिरिवाज से पूर्वजो को बच्चो का शौख होता है इसलिए लड़कियों को मजबुर किया जाता है की काम उम्र में शादी करे और बच्चो को जन्म दे और जिससे लड़की की सेहत बेकार हो जाती है इसी कारण बाल विवाह कई सालो से चलता आ रहा है ।

और ये बाल विवाह रोकने के लिए हमें बाल विवाह को जानने की जरूरत है अगर उनमे एकता हो जाएगी तो बाल विवाह नहीं हो होगा अगर बाल विवाह रोकना है तो हमें अपनी सोच को बदलने की जरूरत है और कोई माता पिता अगर शादी करना चाहते है तो १८ साल के बाद करना चाहिए बाल विवाह बंद होना चाहिए।

मुशरत शैख (ज्ञानसाथी छात्र)

प्रदूषण एक समस्या

प्रदूषण के अनेक प्रकार है। प्रदूषण हम लोग ही करते है प्राकृतिक संतुलन में रूकावट पैदा होना पेड़ पौधे काटने की वजह से न शुद्ध वायु मिलना और वातावरण में तेजीसे बदलाव आना दूषित जल, दूषित खाद्य, दूषित वातावरण मिलना इनके कारण हैं ।

वायु प्रदूषण हवा में होता है वायु प्रदूषण हमारे वातावरण और हमारे ऊपर अनेक प्रभाव डालते है । वायु प्रदूषण कारखानों का धुवा, वाहनों का धुवाए गैस और धुल-कण से होता है । वायु प्रदूषण होने से मानव पशुओं एव पक्षिओं को गंभीर समस्या करनी पड़ती है ।

वायु प्रदूषण होने से दमा, सर्दी, खासी, अंधापन श्रव का कमजोर होना त्वचा जैसी बीमारी पैदा होती है । मुंबई जैसे बड़े शहर में रोजाना होने वाला ट्रैफिक से गाडिओं से निकलने वाला धुवा से लोगो को बहुत बीमारी पकड़ती है । लोग कूड़ा. कचरा रास्ते पर कही भी फेकते है इससे हवा खराब होती है और बीमारी जल्दीसे पकडती है ।

आज भी जल प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है नदियों में लोग कूड़ा-कचरा फूल जानवर कपडे धोना और शहर का गंधा पानी साफ नदी के पानी में छोड़ते है । कारखानों का गंधा दूषित पानी नदियों में छोड़ते है इससे वे पानी न पिने के लायक और नही खेती के लायक होता है ।

अगर हमें जल प्रदूषण और वायू प्रदूषण नहीं रोका तो हमारी दुनिया बहुत जल्दी खतम हो जाएगी ।

समीर अंसारी (ज्ञानसाथी छात्र)

ग्रामपंचायत- स्टडी टूर

हम सब बाल संसद के बच्चे और सावली के कर्मचारी २५ मई २०१८ को दहिवली गाँव मे गए थे। सबसे पहले हम सब जैसे गाँव पहुचे तो हमें पूरा गाँव दिखाया गया। हम सभी को वहा के घर, लोग, संस्कृति सब देकने मिला द्यगाव के लोगो ने भी हमारा अच्छी तरह से स्वागत किया और आदर किया। फिर हम सब बच्चों को ग्रामपंचायत मै लाया गया। वहाँ पर हमे मिलने और बात करने के लिए सरपंच ,उपसरपंच और बाकी सदस्य आये थे। सरपंच जी ने हमें ग्रामपंचायत के कामों के बारे में जानकारी दी और वो लोगों के लिए क्या क्या काम करते है वो बी बताया। लोगों के लिए कौनसी उपाययोजना का लाभ उठाने में मदत करते है,इन सारे कामों के बारे मैं बताया। फिर हम सभी बच्चों ने गाव के सरपंच ,उपसरपंच और बाकी सदस्य से सवाल पूछे और उन सवालों का उन्होनें जवाब दिया। ग्रामपंचायत के बाद हम सब कल्याण मे पंचायत समिति मे आयें। वहापर अलग अलग विभाग है जैसे की शिक्षण विभाग,जल विभाग इत्यादी विभाग है। हम सभी बच्चे शिक्षण विभाग मे काम करने वाली गट शिक्षण अधिकारी ललिता मैडम से मिले उन्होने हमें उनके विभाग मे कैसे काम चलता है उसके बारेमे बताया। स्कूल के बच्चों के लिए कौनसी उपाययोजना दी जाती है वह बताया। बालविकास प्रकल्प अधिकारी साखरे मैडम उन्होने हमें उनका काम बताया। इसके बाद कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी राजश्री मैडम उन्होने हमें सभी विभागों के बारे मैं बहुत सारी जानकारी दी। हम सभी बच्चों को ये स्टडी टूर बहुत अच्छा लगा। और हम सभी ने उनका धन्यवाद किया।

स्वेता पाटिल (सावली छात्र)

Rock n Roll Shikshan-My Experience

The Vacation Camp "Rock and Roll Shikshan- Season 5 was organized on 20th April & 21st April 2018 in the Savli project. The event was planned and organized by CP federation members. It was a very good experience for us to organize such an event. In this event 205 Children & 29 CP members participated. For the first time CP members managed an event independently in which earlier we used to be participants. It was an awesome experience we had organizing games, action song and quiz competition with our young brothers and sisters in Savli. We got to learn lot of things from this event like how to manage an event with a team, if something goes wrong then how to deal with that situation, team work, etc. This opportunity given to me by Savli staff was a great experience for me. I thank Savli staff and CP incharges for giving us this opportunity.

Aditya Salunke (Savli Child)

"We are grateful to Karunya Trust for giving us an opportunity to keep the environment clean and helping us understands the importance of Pro- Eco life." Ratan Gupta (Karunya Child)

tHE tAKE oFF

Vol.: 2 - Issue: 2

Nov 2018

बाल मजदूरी

भारत में बाल मजदूरी करना गुन्हा है। जो बच्चा १८ साल के अंदर काम करता है उसे बाल मजदूर कहते है । में रफीक नगर में रहती हुँ मेरे घर के नजदीक ही डम्पिंग ग्राउंड है । हमारे मुंबई शहर का सभी कचरा मेरे घर के सामने यहाँ आता है कचरे में बहुत प्लास्टिक, स्टील, और उपयोगी सामान होता है । कुछ लोग छोटे बच्चो को पैसे की लालच देकर डम्पिंग में कचरा चुनने भेजते है और अगर पुलिस ने बच्चो को पकड़ा तो उन्हें चिल्ड्रन होम में भेजते है । मेरे घर यहाँ गोवंडी में बहुत छोटे लड़के काम करते है होटल में फ्रूट बेचना, चाय बेचना, रिक्षा चलाना, दुकान में काम करना ऐसे काम करते है ।

जब बच्चे डम्पिंग ग्राउंड में काम करने जाते है तो उनके पैर और हाथ में नुकीली चीजे जैसे काँच, खिले चूभ जाते है और खून निकलता है बच्चे बीमार पड जाते है । डम्पिंग की वजह से बच्चो के सेहत पर भी नुकसान होता है जैसे डेंगू ,टायफड, मलेरिया बीमारियाँ मच्छर और गन्दगी के कारण होती है जो स्वास्थ को नुकसान पहुँचाती है ।

जुबेदा शैख (ज्ञानसाथी छात्र)

गरीबी और महंगाई

गरीबी हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। गरीबी के वजह से लोग भूख से अपनी जान देते है गरीबी की वजह से लोग सड़क और झोपडी में रहते है । आज महंगाई इतनी बड़ी है की लोग महंगाई के वजह से आनाज खरीद नहीं पाते और लोग कई दिनों तक खाना नहीं खा पाते गरीबी की वजह से बच्चे स्कुल नहीं जाते और बाल मजदुर बन जाते है गरीबी के वजह से हमारा देश आगे (विकास) नहीं हो रहा है आज महंगाई इतनी बड़ी है की लोग अपनी जरुरते पूरी नहीं कर रहे । महंगाई बढती जाती है और गरीब, गरीब होता जा रहा है गरीबी की वजह से छोटे बचे बीमार पड़ते है । कुपोषित होते है अगर हमें हमारे देश का विकास करना है तो गरीबी को नष्ट करना होगा ।

सायमा शैख (ज्ञानसाथी छात्र)

CP minister serving food to younger kids on Independence day

CP In-charge is conduction CP Meeting with CP Minister

CP has visited Bus Depot to gain the knowledge about its function.

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

CP has visited Bus Depot to gain the knowledge about its function.

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

दिवाली

दिवाली बहुत ही अनोखा त्यौहार है इस त्यौहार मे रोता हुआ बच्चा भी हँसता है क्योंकि ये त्यौहार ही होता ऐसा है। ये त्यौहार की खासियत पटाखे होते है पटाखे जलाये जाते है त्यौहार तो सभी को हँसाके चला जाता है लेकिन हम उन परिन्दों के बारे मे नहीं सोंचते जिन्हें ध्वनि की तकलीफ होतीं है और अगर ज्यादा मात्रा मे पटाखे जलाये जाये तो परिन्दों को ही नहीं बल्कि पूरी धरती माँ को भी ज्यादा नुकसान पहुचता है। पुरे साल मै पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान दिवाली के दिन फोड़े जाने वाले पटाखों से होता है। इसके कारण बिमारियाँ बढ़ने के खतरे ज्यादा होते है।

इसे रोकना है तो शुरुवात खुद से करनी होगी हमें बदलना होगा हमे समाज मे पर्यावरण जनजागृती के बारे मै जानकारी देनी होगी। तो ही हम धरती माँ के प्रति कर्जा चुकाने के लिए योगदान देंगे।

हाजरा शेख (सावली छात्र)

"I am very thankful to Savli- Karunya Trust for organizing such an effective career guidance workshop for us. I want to become a civil engineer…" Ansari Gulam (Karunya Child)

tHE tAKE oFF

Vol.: 2 - Issue: 2 Nov 2018

हमारा हक्क... इको लाइफ....

हम सभी बाल संसद के बच्चे का ये पाँचवा प्रो- इको है। हमारे प्रो- इको का प्रमुख उद्देश्य ये है की पर्यावरण की रक्षा करना है, और हम दुसरे लोगो को भी प्रोत्साहित करते है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) इसे पँरामिलिट्री फोर्स भी कहा जाता है। १० मई १९६९ इसकी सुरवात हुई। २०१८-२०१९ इनकी ५० वी सालगिरह है। ५० वी सालगिरह इस मौके पर उन्होंने टाटा मेमोरिअल होस्पिटल के आजूबाजू के परिसर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इस स्वच्छता अभियान के लिए उन्होंने हमें आमंत्रित किया था। हम सब बच्चे और हमारे सावली के कर्मचारी २९ सितंबर २०१८ स्वच्छता अभियान के लिए गए थे। वहा पर इस अभियान का उद्घाटन करने के लिए मराठी फिल्म अभिनेता ललित प्रभाकर को बुलाया गया था। वेस्टन सेक्टर डी. आय.जी जी.एस राजु, श्रीमती. रूची आनंद ये केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के

कर्मचारी वहा उपस्थित थे। फिर प्रतिज्ञा लेकर हम सभी ने बड़े उत्साह के साथ हमारा सहभाग दिखाया। स्वच्छता अभियान होने के बाद हम सभी अतिथियों से मिले। ललित प्रभाकर उन्होंने हम बाल संसद के बच्चोंको ऐसे ही आचे काम करने के लिए प्रोत्साहित किया और सलाह दी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)वेस्टन सेक्टर डी. आय.जी जी.एस राजु उनसे भी मिले, उन्होंने हमें प्रोत्साहित किया और हमने भी उनका शुक्रिया अदा किया। हम यह आशा करते है की आप हमे ऐसे कार्यो में अवसर देगें।

स्वेता पाटिल (सावली छात्र)

पटाखे मुक्त दिवाली

दिवाली का मतलब दीपोस्तव, दीपकों का त्योहार,दिया ,आकाशकंदिल, रंगीन दीपकों की माला, मिठाई और फराल की रेल चेल, खुशियों की बरसात, पुराने मतभेद को भूलकर नयी सोच के साथ एक दुसरे को खुशियां बाटने का दिन , रिश्तेदार, भाई बहन, चाचा भतीजा इन्हे मिलने का त्यौहार और बच्चों के लिए तो पटाखों से मिलने वाली खुशीयों और आनंद से भरे हुए पलद्य यही पटाखे ध्वनि और वायु प्रदुषण के लिए कारण बनते है। पर हमारे देश मे इसपर ध्यान नही दिया जाता है। पटाखों के धुवे से हवा प्रदुषण के स्तर मे बढोतरी होती है। जिसके कारण फेफड़ो की बीमारियाँ बढ़ने का खतरा होता है। ध्वनि और वायु प्रदुषण से बूढ़े-बुजुर्ग, बच्चें, नवजात बालक ,गरोदर महिलाएं इनके स्वास्थ्य पर विपरीत परिणामों का कवच बन जाता है। इस कारण की वजह से दिल्ली सर्वोच्च न्यायालय ने पटाखों बिक्री के ऊपर बंदी लाई गई थी। लेकिन मुंबई और महाराष्ट्र मे पटाखों की बिक्री और उसे फोड़ने के ऊपर बंदी लाने में सभी सरकारी दल नाकाम हुए है। मुंबई कि हवा की गुणवत्ता श्वसन तुलना से बहुत खराब है और इसका जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ इंसान ही है। डॉ. महेश बेडेकर इनकी राय से छोटे बच्चों के मानसिकता को बदलाव लाना और पर्यावरण जनजागृती करना उचितं होगा।

दिवाली ये दियो का त्यौहार है इस संकल्पना को बढ़ावा देना होगा। हमारे सभी के मन मे ये बदलाव आयेगा तो एक दिन सचमुच पटाखे मुक्त दिवाली मनाने की शुरुवात होगी।

मयूर जावले (सावली छात्र)

गरीबी

हाय ये लाचारी मेरे सिर पर क्यों आयी
न तन पर है कपडा न पैरो में चप्पल
सर्दी की है राते न टोपी न कम्बल

अब्बू की बीमारी अम्मी की लाचारी
बेरहम हो गयी दुनिया सारी
रोटी के खातिर बचपन गवाया
अश्रु से अपने जीवन को भिगोया

मुरझाये पड़े होठ मुरझाये चेहरे
चुन रहे थे कुछ कागज के टुकड़े

बेरहम है दुनिया सारी है
मानवता के नाम पर न लोग है न लाज है।

फरहान (ज्ञानसाथी छात्र)

Message from Savli CP Asst. In-charge

I am really happy to be a part of Children's Parliament. This is the 3rd edition of 'The Take Off'- the CP newsletter. It gives me immense pleasure to see the positive changes and impacts that CP could bring in the children. It made them aware about their rights and its significant role in the society. Pro-eco campaign of CP had been initiated in order to make them aware about their important roles in nurturing the nature and environment. I wish them all the very best for the 3rd edition of 'The Take Off' newsletter. Continue the Good work!!!

Sandesh Shirsat

I am a Change maker... Are you???

"Be the change that you want to see in the world"- Mahatma Gandhi
My name is Ganesh Suresh Waghmare, and I'm from Chembur. I am a children parliament member of Project Savli. Children's Parliament federation helps and encourages young children to bring about a social change in the society by being a change maker. The Children's Parliament federation advocates for promoting a culture of clean and safe environment through its various programs. I have participated in the various programmes organized for the cause of safe environment under the banner "Pro-Eco" which is a campaign of Project Savli CP.
Savli CP has empowered me and few of my friends who too are the members of the Children's Parliament to take an initiative to find a solution to the broken drainage line which was adding to the pollution in our locality in Chembur. We took a written application with signatures of 250 residents in the locality and submitted the letter to the M-Ward BMC Department of Sewage, initially they didn`t take notice of it, but our constant follow up with the BMC department got the work done by fixing the concrete slabs for the drainage line within a weeks' time.
I'm very proud that I could be a channel of change in my locality, and I wish to do a lot in the near future. I thank Savli project and the Children's Parliament for encouraging me and teaching me to be a change maker.

Say no to Plastics

THANK YOU **KARUNYA TRUST** AND **DEUTSCHE BANK** FOR SUPPORTING AND MOTIVATING US TO LAUNCH
OUR THIRD EDITION OF "THE TAKE OFF". LOOKING FORWARD FOR YOUR SUPPORT IN OUR FUTURE ENDEAVOR...

KARUNYA TRUST CHILDREN PARLIAMENT FEDERATION